Indian Express- 26- August-2022

Delhi, Dhaka discuss sharing river water

EXPRESS NEWS SERVICE
NEW DELHI, AUGUST 25

INDIA AND Bangladesh have finalised the text of Memorandum of Understanding (MoU) on interim water sharing of Kushiyara river, the Union Ministry of Jal Shakti said on Thursday.

The text was finalised during the 38th meeting of the ministerial-level Joint Rivers Commission (JRC) of India and Bangladesh, held in Delhi on Thursday, the ministry stated.

The two sides were led by Jal Shakti Minister Gajendra Singh Shekhawat and his Bangladesh counterpart, Zaheed Farooque.

In a statement, the ministry said, "Discussions...were held on a number of ongoing bilateral issues of mutual interest, including water-sharing of common rivers, sharing of flood data, addressing river pollution, conducting joint studies on sedimentation management, river bank protection works, etc."

The ministry stated that the two sides "finalised the text of MoU on Interim Water Sharing of Kushiyara river (and) welcomed finalisation of the design and location of water intake point on Feni river to meet drinking water needs of Sabroom town in Tripura as per the October 2019 India-Bangladesh MoU..."

According to the Jal Shakti Ministry, the JRC meeting assumes significance since it was held after a "long gap" of 12 years, although technical interactions under the framework of JRC have continued in the interim.

The ministry said India and Bangladesh share 54 rivers, of which seven have been identified earlier for developing the framework of water-sharing agreements on priority. During Thursday's meeting, the neighbours agreed to include eight more rivers for data exchange, it stated.

In a statement, Bangladesh's Ministry of Foreign Affairs said, "The JRC meeting, held in a cordial and friendly atmosphere, discussed the whole gamut of issues related to common rivers between the two countries, especially the Ganges, Teesta, Manu, Muhuri, Khowai, Gumti, Dharla, Dudhkumar and Kushiyara. Apart from this, exchange of flood-related data and information, riverbank protection works, common basin management, and also Indian river interlinking project were discussed in detail."

The Hindu- 26- August-2022

India, Bangladesh discuss river water sharing issues

'Making utmost efforts for Teesta deal'

SPECIAL CORRESPONDENT
NEW DELHI

India and Bangladesh discussed a wide range of issues related to the major common rivers such as the Ganga, Teesta and several smaller rivers during the 38th meeting of the Joint River Commission (JRC) held here on Thursday. The Indian delegation led by Gajendra Singh Shekhawat, Minister for Jal Shakti, assured the Bangladesh delegation that India was making "utmost efforts" for agreement on the Teesta.

"The JRC meeting, held in a cordial and friendly atmosphere, discussed the whole gamut of the issues related to the common rivers between the two countries, especially the Ganga, Teesta, Manu, Muhuri, Khowai, Gumti, Dharla, Dudkhkumar and Kushiyara," said an official statement issued by Dhaka after the talks.

The two sides also discussed exchange of flood-related data and information, river-bank protection works, common basin management, and also the River Interlinking Project of India.

"Bangladesh side requested for conclusion of the long-pending Teesta Waters Sharing Treaty at an early date. The Indian side assured of their utmost efforts in concluding the agreement," the statement announced.

Haribhoomi- 26- August-2022

एनडीआरएफ ने संभाला मोर्चा

प्रयागराज में गंगा-यमुना ने पकड़ी रफ्तार खतरे का निशान कर सकती हैं पार

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

जिस बात की आशंका थी आखिरकार वहीं हुआ। गंगा और यमुना ने बीते 24 घंटे के दौरान ऐसी रफ्तार पकड़ी कि दोनों ही नदियों के जलस्तर में एक मीटर से ज्यादा की वृद्धि हो गई। दोनों ही नदियों के पानी में जिस रफ्तार से जलस्तर में वृद्धि हो रही है उससे यही माना जा रहा है कि खतरे का निशान बृहस्पतिवार या शुक्रवार तक पार हो जाएगा। नदियों में बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए प्रयागराज के लिए एनडीआरएफ की 36 सदस्यीय टीम भी यहां पहुंच चुकी है। बीते दो दिन से गंगा और यमुना के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। नदियों का पानी बढ़ने की वजह से निचले इलाकों में काफी अंदर तक बाढ़ का पानी घुस आया। बाढ़ का पानी बढ़ने के साथ ही जिला प्रशासन ने राहत शिविरों की संख्या भी बढ़ाकर 15 कर दी है। इसके अलावा 98 बाढ़ चौकियां भी बना दी हैं। दरअसल मध्य प्रदेश, उत्तराखंड में हो रही बारिश प्रयागराज वासियों के लिए आफत बन गई है।

जिला प्रशासन ने बनाए 15 राहत शिविर और 98 बाढ़ चौकियां

प्रयागराज में गंगा और यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन ने राहत शिविर की संख्या 10 से बढ़ाकर 15 कर दी है। 98 बाढ़ चौकियों को भी अलर्ट में रहने को कहा गया है। नैनी में यमुना का जलस्तर 82.10 मीटर था जो 24 घंटे में एक मीटर बढ़ गया। इसी तरह फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 82.20 मीटर बढ़कर 24 घंटे में 88 सेमी बढ़ गया।

लोगों ने सामान समेटना शुरू किया

बारिश का पानी गंगा और यमुना के सहारे प्रयागराज पहुंच रहा है। जलस्तर बढ़ने से गंगा और यमुना दोनों के ही खतरे का निशान पार करने की संभावना बन गई है। पानी बढ़ने से सलोरी, शिवकुटी, छोटा बघाड़ा, गंगानगर, पितांबर नगर, बेली गांव, गौस नगर, दारागंज, रसूलाबाद, जोंधवल, गढ़ा कालोनी आदि इलाकों में रहने वाले लोगों के दिलों की धड़कन बढ़ गई है। दहशतजदा लोग जो पहले भी बाढ़ का कहर झेल चुके हैं उन्होंने अपना सामान भी समेटना शुरू कर दिया है।

माता टीला बांध के कई गेट खुले हुए हैं

गंगा के मुकाबले प्रयागराज में यमुना में पीछे से ज्यादा पानी आ रहा है। ललितपुर स्थित माता टीला बांध के कई गेट पिछले कई दिनों से खुले हुए हैं। इस वजह से यमुना की सहायक नदियां केन एवं बेतवा भी उफान पर हैं। राजस्थान के कोटा से पिछले सप्ताह पांच लाख और दो दिन पहले ही 12 लाख क्यूसेक पानी छोड़ दिए जाने से चंबल भी उफान पर है। चंबल का भी पानी यमुना में मिलता है। यमुना का नैनी में जलस्तर 83 मीटर के आंकड़े को पार कर गया। उधर फाफामऊ में गंगा का जलस्तर रात आठ बजे 83.08 मीटर पर पहुंच गया था। प्रयागराज में दोनों ही नदियों के खतरे का निशान 84.734 मीटर है।

Rajasthan Patrika- 26- August-2022

20 जिलों में बाढ़ से हाहाकार, गंगा-यमुना उफान पर

गंगा में बढ़ाव से वरुणा में पलट प्रवाह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाराणसी. पिछले कुछ दिनों तक घटने के बाद बीती रात से गंगा के जलस्तर में फिर से तेजी से वृद्धि होने लगी है। गंगा के जलस्तर में उफान के चलते 100 से अधिक गांव घिर चुके हैं। बनारस में तो पांच से छह सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। गुरुवार की दोपहर 2 बजे बनारस में गंगा चेतावनी बिंदु पार कर अब हुए खतरे के निशान की ओर हैं। खतरे का निशान अब एक मीटर से भी कम की दूरी रह गया है। गंगा के जलस्तर में बढ़ोत्तरी शुक्रवार की सुबह तक खतरे का निशान भी पार कर सकती हैं।

वाराणसी का ग्रामीण क्षेत्र भी प्रभावित : वहीं वाराणसी के ग्रामीण इलाकों में भी बाढ़ से प्रभावित होने लगा है। चिरईगांव ब्लॉक के ढाब क्षेत्र और गोमती के तटवर्ती इलाकों में स्थित सैकड़ों एकड़ फसल डूब गई है। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक गंगा का जलस्तर सुबह 12 बजे 70.24 मीटर पर पहुंच गया था। दोपहर दो बजे चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर को पार करते हुए गंगा का जलस्तर 70.32 मीटर पर पहुंच गया। अब भी 4 सेंमी की रफ्तार से बढ़ोतरी हो रही है। यहां खतरे का निशान 71.262 मीटर पर है।

बलिया में चेतावनी बिन्दू से 70 सेमी ऊपर गंगा

उधर बलिया में दो दिनों तक घटाव के बाद गंगा एक बार फिर खतरा बिन्दु से 70 सेमी ऊपर पहुंच गई हैं। बढ़ाव लगातार जारी है। बैराजों से गंगा में छोड़े गए पानी ने तटवर्तीय क्षेत्र के रहवासियों की नींद उड़ा दी है। गायघाट गेज पर गुरुवार सुबह 6 बजे गंगा का जलस्तर 58.310 मीटर रिकार्ड किया गया।

लोगों में एक बार फिर अफरा-तफरी का माहौल

बलिया में जलस्तर गंगा खतरे के बिंदु 57.615 मीटर से 70 सेमी ऊपर बह रही हैं। हालांकि गंगा में अभी आधा सेमी प्रति घंटे की रफ्तार बढ़ाव हो रहा है। ऐसे में रामगढ़ से लगायत लालगंज व नदी पार की पंचायत नौरंगा के लोगों की बेचैनी बढ़ गई है। प्रभावित गांवों में एक बार फिर अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। ग्रामीण अपने घरेलू सामानों को सहेजते हुये पलायन की तैयारी मे जुट गये हैं।